Programme Title- Enhancing LiveliHood opportunity off Ruralpoor Through integrated Natural Resourece Management

वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन

1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान

285, आजादपुरा, ललितपुर (उत्तर–प्रदेष)

Email- bssltp@rediffmail.com bssltp@gmail.com

Web- www.bssin.in

Phone- 05176-275500, 09415412961

तकनीकि सहयोग– प्रदान, नई दिल्ली

सहयोग– जमसेत जी टाटा ट्रस्ट, मुम्बई

संस्थान का परिचय

• बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान भारतीय सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत है।

• संस्था का पंजीकरण दिनांक 07–05–2003, क्रमांक सं0 61/2003–2004 है।

• एफ.सी.आर.ए. 1976 के अंतर्गत पंजीकृत सं0 136800007 है। दिनांक 10 अगस्त, 2006

• पैन नं0 AAAJB0874H

• टैन नं AGRB 11091 D

• आयकर अधिनियम 1961 धारा 12। एवं 80G पंजीकरण दिनांक 16–03–2011,

• पंजीकरण संख्या ISF No. CIT-II/AGRA/Technical /12AA/80G 2010-2011/73/7

लक्ष्य समूह :

आदिवासी, सहरिया गौंड़,
एवं विकास से वंचित
दलित, पिछड़े समुदाय
तथा महिला एवं बच्चे।

विजन (VISION) :

साामाजिक न्याय,
समता, समानता
आधारित समाज की
स्थापना करना।

मिशन (MISSION) :

बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित गरीब, दलित आदिवासी, पिछड़े समुदाय को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक रूप से सशक्त करना ताकि वे स्वाभिमान एवं सम्मानपूर्ण जीवन जी सके।

कार्यक्षेत्र : संस्थान का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत है। वर्तमान में ललितपुर जिले में रचनात्मक गतिविधियां संचालित हैं।

स्थानीय परिस्थितियां

1. शिक्षा का अभाव 4. शोषण, उत्पीड़न 7. फर्जी कर्ज, साहूकारी का मकड़जाल
2. असमानता 5. सरकारी योजनाओं से पात्र व्यक्ति वंचित 8. पंचायतों में दबंगों का आधिपत्य
3. गरीबी 6. बेरोजगारी 9. मानवाधिकारों का हनन

संस्थान के प्रमुख मुद्दे

- जन पैरवी, जन संगठन निर्माण
- प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन (जल, जंगल, जमीन)
- शिक्षा, गुणात्मक शिक्षा
- पंचायती राज
- स्वास्थ्य (एच0आई0वी0/एड्स)
- महिला सशक्तिकरण एवं लिंग समानता
- आपदा प्रबन्धन
- खाद्य सुरक्षा

संस्थान के ग्राम स्तरीय कार्यक्रम

1. स्वयं सहायता समूह 50
2. प्रगति बचत संघ 1
3. स्कूल प्रबन्धन समिति 201
4. चिंगारी संगठन 50
5. बीज बैंक 13
6. अनाज बैंक 13
7. वन उपभोक्ता समूह 21
8. जाब कार्ड धारक संघ 21
9. संयुक्त वन प्रबन्ध समिति 21
11. सौर ऊर्जा प्रबन्धन समिति 10
12. ग्राम स्वराज्य संगठन 7

प्रमुख गतिविधियॉ

- किसानो से सम्पर्क एवं बैठक करके खेत तालाब तथा मेडबन्धी कराने वाले किसानो का चयन
- सामुदायिक सूचना संसाधन केन्द्र का संचालन।
- एक अप्रैल 2015 से किसानों से सम्पर्क करने के बाद खेतों में मेडबन्धी का कार्य प्रारम्भ किाया गया। जिससे किसानों के खेत में बरसात का पानी रूक सके भूमि में कृषि उत्पादन अधिक हो सके और किसानों की आमदनी में वृद्वि हो सके।
- सब्जी उत्पादन करने वाले तथा सिंचाई सुविधा वाले किसानों का सर्वेक्षण।
- मचानखेती करने वाले किसानों के साथ बैठक तथा शैक्षणिक भ्रमण।
- मचान बनाने तथा सब्जी बोने की प्रक्रिया का शुभारम्भ।
- जिला उद्यान अधिकारी ललितपुर के साथ ग्राम सोंरई आजीविका संगोष्ठी एवं फलदार 400 पौधों का वितरण तथा मचानों का अवलोकन ।
- 15 मई 2015 कों ग्राम सोल्दा का विजिट खेत तालाबों का अवलोकन
- 1 जून 2015 कों प्रदान कार्यालय झांसी में श्री राकेश सिंह जी के साथ बैठक करके अवधारणा पत्र तैयार करने की रणनीति बनाना जिससे एक वर्ष में किसानों की आमदनी एक लाख रूपये तक बढाई जा सके।
- 15 जून 2015 आधार कार्ड शिविर का आयोजन।
- 22 जून 2015 श्री राकेश सिंह प्रदान के साथ ललितपुर में सोसाइटी फॉर प्रगति भारत के कार्यालय में खरीफ फसल की तैयारी हेतु बैठक की गई।
- 11 जुलाई विश्व जनसंख्या दिवस कार्यशाला का आयोजन।
- 16 जुलाई 2015 डिजिटल इण्डिया स्वच्छ भारत बढती जनसंख्या कार्यशाला ।
- 1 अगस्त 2015 जल संरक्षण कार्यशाला।
- गोट ट्रस्ट लखनऊ में 22,23,24 अगस्त 2015 में प्रशिक्षण में सहभागिता।
- 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2015 पंचायत मतदाता जागरूकता अभियान।

- 1 जनवरी 2016 जिलाधिकारी का ग्राम लखंजर में चौपाल कार्यक्रम।
- 6 मार्च 2016 को किसान आत्मविश्वास संबर्द्धन यात्रा।
- 8 मार्च 2016 से 31 मार्च 2016 तक गांव गांव में अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में जानकारी देना तथा सूखा मुददा एवं पेय जल शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार किसानों की आत्महत्या रोकने हेतु समाचार पत्रों के माध्यम से पैरवी करने का काम किया गया तथा समय समय पर जिला प्रशासन को स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास किया गया।
- 1 जून 2015 कों प्रदान कार्यालय झांसी में श्री राकेश सिंह जी के साथ बैठक करके अवधारणा पत्र तैयार करने की रणनीति बनाना जिससे एक वर्ष में किसानों की आमदनी एक लाख रूपये तक बढाई जा सके।

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान की ओर से श्री वासुदेव जी ने सहभागिता करते हुए बताया कि सोरईं तथा सोल्दा में कुल 50 किसानों के साथ उर्द तिल की फसल में तकनीकि सहयोग देते हुए काम करेगे तथा 10 किसानों कें साथ 50 डिसिमिल में सब्जी उत्पादन का कार्य करेगे।

सोरई में 43 किसानों का सर्वेक्षण किया गया है जिनके पास सिंचाई के साधन है और वे सब्जी उत्पादन का कार्य भी करते है। वासुदेव जी ने कहा कि सर्वेक्षण से ज्ञात हुआ है कि 2 एकड खेती वाले 13 किसान 3एकड रकबा वाले 10 किसान तथा 5एकड रकबा वाले 20 किसान है। कुल 43 किसानों की 156 एकड जमीन में खरीफ फसल में बीज शोधन या नया बीज बोने तथा लाइन से बोवाई करने की जानकारी देंगें तथा मचान पद्धति से सब्जी उत्पादन का कार्य करेगें।

सोरईं में सोमवार, दिदौनिया में बुधवार, मडावरा में शुक्रवार और सैदपुर में शनिवार को बाजार लगते है जिसमें स्थानीय सब्जी बहुत बिकती है।

श्री राकेश सिंह प्रदान ने सभी के विचार सुनने के बाद कहा कि इस बैठक में सामूहिक चर्चा के बाद यह विचार स्पष्ट हुआ कि ललितपुर की सभी संस्थाये मचान पद्धति सें जैविक सब्जी उत्पादन का कार्य करेगी और किसानों की संख्या सुनिश्चित करेगी। स्थानीय बाजार तथा माल, होटल या आस पास की सब्जी मंडियों तक पहुॅच बनाना ब्यापारिक दृष्टिकोण से उत्पादन भण्डारण ग्रेडिंग करना बाजार तक पहुॅचाना तभी समुचित लाभ किसानों कों मिल सकेगा और उनकी आय में वृद्धि होगी।

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान की विभिन्न कार्यक्रमो में सहभागिता

दिनॉक 6अप्रैल 2015 सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभागिता।
दिनॉक 5मई 2015 श्री राकेश सिंह जी का ब्लाक मडावरा के सोरई,सोल्दा गांवो में विजिट
दिनॉक 8मई 2015 रेड आर टीम के साथ बैठक अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान चित्रकूट
दिनॉक 31मई 2015 को श्री राकेश जी प्रदान के साथ बैठक हेतु झांसी गया।
जून 2015 में खेत तालाब मेडबन्धी निर्माण कार्य चलता रहा।
दिनॉक 11 जुलाई 2015 में मडावरा तहसील के उद्घाटन में जिला प्रशासन के साथ सहभागिता।
दिनॉक 16–17 अगस्त 2015 तीसरी सरकार अभियान प्रशिक्षण में संदीप झां को भेजा गया।
दिनॉक 22–24 अगस्त गोट ट्रस्ट प्रशिक्षण लखनऊ में विवेक और संदीप झां को भेजा गया।
दिनॉक 22 अगस्त 2015 उत्तर प्रदेश इलेक्शन वाच एवं ए0डी0आर0 द्वारा आयोजित बुन्देलखण्ड स्तरीय पंचायत चुनाव तैयारी बैठक झांसी (परमार्थ)
दिनॉक 24 सितम्बर 2015 टाटा ट्रस्ट की ओर से आजीविका स्टडीदल का सोरई में विजिट कराया।
दिनॉक 19अक्टूबर 2015 को अन्धेरी ट्रस्ट से श्री जोसेफ जी से मिलने भोपाल गया।
दिनॉक 29अक्टूबर 2015 को श्री आमोद खन्ना पी0एच0एफ0 का विजिट सोरई, पिसनारी गांवो में कराया।
दिनॉक 6नवम्बर 2015 को सोनल कुलश्रेष्ठ से रोटरीक्लब का प्रपोजल बनवाया।
दिनॉक 18नवम्बर 2015 को पी0एस0आई0 द्वारा पानी में अधिक मात्रा में फ्लोराइड की उपस्थिति के मुद्दे पर (फ्लोरासिस) कार्यशाला होटल पलास भोपाल में सहभागिता।
दिनॉक 16दिसम्बर 2015 चित्रकूट से अतर्रा आये फिर जीप द्वारा पावई पन्ना ब्लाक मोहिन्द्रा के लिए गये जहां पी0एस0आई0 के श्री देवाशीष सेन से मिले।
दिनॉक 12दिसम्बर 2015 को लखनऊ में उन्नत भारत अभियान में गये।
2 जनवरी 2016 ग्राम लखन्जर में जिलाधिकारी डा0रूपेश कुमार की चौपाल बैठक हुई जिसमें ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं के समाधान हेतु प्रार्थना पत्र दिये। बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के मंत्री श्री वासुदेव जी द्वारा नये वर्ष में बुका देकर जिलाधिकारी का स्वागत किया गया तथा लखंजर को पर्यटक गांव बनाने का सुझाव दिया पेयजल सडक शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार दिलाने की मांग की गयी। गोंड आदिवासियों को जनजाति का दर्जा दिलाने का प्रार्थना पत्र व शासनादेश की छायाप्रति श्री वासुदेव जी द्वारा दी गई।

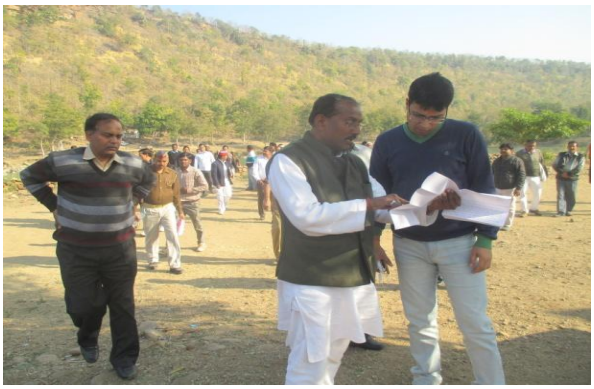

ग्राम लखंजर में चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए जिलाधिकारी ललितपुर डॉ0 रूपेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक तथा अन्य अधिकारीगण

दिनॉक 6 जनवरी 2016 को श्री अशोक भाई सहभागी शिक्षण केन्द्र लखनऊ से भेंट तथा श्री सत्यजीत ठाकुर एवं श्री बाबूराम विद्यार्थी से 3/255 विशालखण्ड गोमतीनगर में भेंट वार्ता

दिनॉक 7 जनवरी 2016 को श्री सत्यजीत ठाकुर के साथ आदिवासी मुद्दो को लेकर श्री आलोक रंजन मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन के साथ एनेक्सी भवन लखनऊ में भेंट वार्ता की गयी बहित ही अच्छी तरह से मुख्य सचिव ने पूरे प्रदेश के आदिवासियों की स्थिति को सुना।

ललितपुर के सहरिया आदिवासियों के वन विभाग द्वारा उत्पीडन की घटना को श्री प्रकाश सहरिया ने मौखिक सुनाया एवं लिखित रूप से भी ज्ञापन दिया।

दिनॉक 11 जनवरी 2016 को पैक्स प्रोग्राम के समापन कार्यक्रम में शामिल होने के लिये लखनऊ पहुॅचे होटल बेबियन में ठहरें। कार्यक्रम में आज श्री राजेश टंडन प्रिया नई दिल्ली एवं जरीना उस्मानी राज्य महिला आयोग अध्यक्ष की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

दिनॉक 12 जनवरी 2016 में श्री अरबिन्द सिंह गोप ग्राम विकास मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार जूही सिंह,बलजीत सिंह डायरेक्टर एन0आर0एच0एम0 श्री शरद बेहर पूर्व आई0ए0एस0 भोपाल की उपस्थिति प्रेरणास्पद रही।

दिनॉक 16 जनवरी 2016 को साईं ज्योति द्वारा आयोजित पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में मडावरा क्षेत्र के तीन आदिवासी प्रधानों को लेकर सहभागिता की गयी।

दिनॉक 21 जनवरी 2016 को एक्शनएड लखनऊ द्वारा आयोजित बैठक में यूनिसेफ ऑफिस विशालखण्ड लखनऊ में सहभागिता की। एक्शनएड से श्री राजन सिंह व डॉ0 अरबिन्द खरे, अभिषेक, राजा भईया, देवेन्द्र गांधी, अजय शर्मा, अमित मेहरोत्रा, वासुदेव ने सूखे के मुद्दे को लेकर अपने अपने विचार प्रस्तुत किये।

दिनॉक 30 जनवरी 2016 को सोरई गांव के पॉच किसानों को वर्मीबेड उद्यान विभाग ललितपुर से दिलाया गया।

दिनॉक 3 फरवरी 2016 को अखिल भारतीय समाज सेवा संस्थान चित्रकूट में श्री गोपाल भाई से भेंट एवं 11 वर्ष का अनुभव प्रमाणपत्र वासुदेव के नाम बनवाया।
दिनॉक 8 फरवरी 2016 को श्री विवेक के नाम जनसेवा केन्द्र मडावरा में लेने के लिये जिलाधिकारी ललितपुर को प्रार्थना पत्र दिया।

दिनॉक 12 फरवरी 2016 को लोकपाल पद के लिये आयुक्त ग्राम विकास लखनऊ को सम्बन्धित दस्तावेज श्री विवेक के द्वारा भेजा गया लखनऊ में ही स्पीड पोस्ट किया गया।
दिनॉक 18 फरवरी 2016 को चित्रकूट के लिये प्रस्थान किया
दिनॉक 19 फरवरी 2016 को ए0बी0एस0एस0 चित्रकूट में श्री भागवत जी के साथ बैठकर ऑनलाईन एफ0सी0 नवीनीकरण फॉर्म भरा गया।
दिनॉक 05 मार्च 2016 को जिलाधिकारी डॉ0 रूपेश कुमार के नेतृत्व में किसान आत्मविश्वास संम्बर्धन यात्रा का शुभारम्भ ग्राम दूधई से किया गया श्री अजय श्रीवास्तव एवं श्री वासुदेव ने किसानों को सूखा की दुखद स्थिति में धैर्य एवं साहस के साथ जीवन यापन करना एवं आत्महत्या जैसी दुखद घटनाओं से बचने हेतु संदेश देने के लिये जिलाधिकारी से अनुरोध किया था। इस प्रस्ताव को जिलाधिकारी महोदय ने सुनकर तत्काल किसी गांव जाने का निर्णय लिया और दो घण्टे के अन्दर दूधई गांव में पहुच कर पेयजल सस्ता राशन रोजगार आदि मुद्दो पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये। किसानों को हर सम्भव मदद करने का विश्वास दिलाया। पूरे जिले में अच्छा संदेश गया।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र
जनहित का सजग प्रहरी

जन जन जागरण

www.janjanjagran.com झांसी, भोपाल और इंदौर से एक साथ प्रकाशित झांसी | रविवार 06 मार्च 2016 | विक्रम संवत 2072 | फाल्गुन कृष्ण पक्ष-12 वर्ष-4 | अंक-273 | पृष्ठ-

डीएम ने किया किसान आत्म विश्वास सम्वर्द्धन यात्रा का शुभारम्भ

गांव में डीएम ने सभी किसानों से की मुलाकात, सुनीं समस्याएं

महावरा-ललितपुर, संवाददाता

ललितपुर के किसानों को वर्तमान सूखे के संकट से उबारने के लिये जिला प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों द्वारा संचालित किसान आत्म विश्वास सम्वर्द्धन यात्रा का शुभारम्भ ग्राम दुर्खई में जिलाधिकारी डॉ रूपेश कुमार द्वारा किया गया। दुर्खई गांव में घूमकर किसानों मजदूरों एवं [illegible] जिलाधिकारी ने सभी की समस्याओं को सुना तथा उनके हल करने का आश्वासन दिया।

जिलाधिकारी श्री रूपेश कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले तीन वर्षों से ललितपुर जनपद सूखे की चपेट में है। फिर भी किसानों को निराश हताश होने की जरूरत नहीं है। सरकार एवं जिला प्रशासन किसानों के साथ है। सभी प्रकार की सहायता सरकार द्वारा दी जा रही है। ईश्वर पर विश्वास करके जीना है। उन्होंने कहा कि किसानों को हिम्मत पूर्वक मजबूत इरादों के साथ जीना है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की समस्याओं के लिये जिला प्रशासन सजग है, उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि खराब हैण्ड पम्प तत्काल ठीक कराये जाये, और टैंकरों से पेयजल की सप्लाई की जाये। खाद्यान्न वितरण, पेंशन एवं ओलावृष्टि एवं सूखे के सहायता राशि शीघ्र वितरित कराये जाने हेतु उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये। मनरेगा के अन्तर्गत अभी गाँव में लगभग 60 मजदूर काम कर रहे हैं और जो भी मजदूर काम करना चाहते हैं सभी को कार्य दिया जायेगा। जिलाधिकारी ने श्रीमती हल्की बाई के खेत पर तत्काल कब्जा दिलाने हेतु परगनाधिकारी पाली को निर्देशित किया गया। संवेदनशील जिलाधिकारी द्वारा की गई किसान आत्मविश्वास सम्वर्द्धन यात्रा ऐतिहासिक कार्य है जिसमें ग्रामीणों को तत्काल राहत मिल रही है। जिलाधिकारी ने काशी राम सहरिया के बगीचे का भी भ्रमण किया जिसे नाबार्ड की सहायता से साई ज्योति संस्था द्वारा तैयार कराया गया है। जिलाधिकारी महोदय ने उनके खेत में कुँआ खुदाई का कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिये।

किसान आत्मविश्वास सम्वर्द्धन यात्रा के दौरान ग्राम सभा में जिले के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग कर उनके विभागों से संचालित विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी। बहुत ही सहज वातावरण में चर्चा की गई। 1200 की आबादी वाले गाँव में जिला प्रशासन के पहुँचते ही विशेष चहल पहल देखने को मिली ग्रामीणों ने अपनी समस्यायें रखी तथा अधिकारियों द्वारा किये गये कार्यों का विवरण दिया गया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी श्री मिथलेश कुमार त्रिवेदी ने कहा कि किसान आत्मविश्वास सम्वर्द्धन यात्रा प्रारम्भ कर दी गई है। जिलाधिकारी महोदय के नेतृत्व में सुदूर गाँवों में वास्तविक स्थिति को देखने जायेगें और समस्याओं का तत्काल समाधान किया जायेगा। यह यात्रा एक सप्ताह तक लगातार विभिन्न दूरस्थ गाँवों में जायेगी। किसानों से सम्वाद स्थापित होगा, उनको समाधान मिलेगा उत्साहजनक प्रेरणाप्रद विचार भी उन्हे मिलेंगे। उत्साह का वातावरण बनेगा। जिले के सभी नागरिकों को मूलभूत सुविधायें प्रमुखता से उपलब्ध करायी जायेंगी। किसी भी प्रकार का संकट नहीं आने देंगे। इस यात्रा में स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं की बहुत ही रचनात्मक भूमिका प्रशासन एवं समुदाय के बीच सम्वाद स्थापित करने महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी वी के जैन, परगनाधिकारी प्रियंका सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश दुबे, परियोजना निदेशक [illegible] जिला विकास अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता जल निगम यशवीर सिंह, जिलापूर्ति अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला सूचनाधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अवधेश सिंह, प्रधान सोवरन सिंह, पूर्व प्रधान लोकेन्द्र सिंह, सोसायटी फार प्रगति भारत के अनिल पटैरिया, बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान के वासुदेव, साई ज्योति संस्था के सचिव अजय श्रीवास्तव, रमन शर्मा, सिद्धगोपाल सिंह, ज्ञान सिंह आदि उपस्थित रहे।

श्री रवि चोपरा संस्थापक लोक विज्ञान संस्थान देहरादून

प्रमुख उपलब्धियॉ –

- 24 मचान बनाने में सफलता ग्रामीणों में मांग बढी है।
- सब्जी उत्पादन करने वालों की संख्या बढी है।
- उद्यान विभाग से 100 परिवारों को 400 फलदार पौधो का वितरण।
- नाडेफ खाद बनाने को ग्रामीण तैयार।
- बकरी पालन करने वाले 50 परिवारों को प्रशिक्षण।
- पहली बरसात का पानी रूकने से खेतों में उर्द और तिल बोया गया।

ग्राम– सोरई मेडबन्धी कार्य विवरण

क्र•	नाम	पिता का नाम	रकबा (एकड)
1	श्री भरोशे	श्री दलपे	2
2	श्री गुमान	श्री छन्दू पाल	2
3	श्री सुक्कन	श्री मनुवा	2
4	श्री हीरालाल	श्री मनुवा	3
5	श्री चतरे	श्री हजारी पाल	1
6	श्री खुशी	श्री अजुददी	2
7	श्री बृन्दावन	श्री धरमदास (खेत तालाब)	4
8	श्री घन्शू	श्री खूबा	2
9	श्री गनेश	श्री चउदे	2
10	श्री गनेश	श्री पूरन	2
11	श्री दरबारी	श्री तेजसिंह	2
12	श्रीराम	श्री मोहन	3
13	श्री मोहन	श्री नत्थू	3
14	श्री द्वारिका	श्री मोहन	2
15	श्री जगदीश	श्री खूबा	1
	कुल		33

किसानों से सम्पर्क एवं निरन्तर गांव में बैठक करने पर आपसी समझ बढी और सर्वसम्मति से सुनिश्चित किया गया कि ऐसे किसान जिनकी जमीन बंजर जैसी है अच्छी फसल नही कर पाते है और उनके खेतो का बरसात का पानी बहकर चला जाता है उस ऐरिया को चिन्हित करके वाटरशेड की अवधारणा के साथ खेत तालाब एवं मेंडबन्धी का निर्माण करके खेत का पानी खेत में रोकने के लिये सघन एव सार्थक प्रयास किया जाये। जिससे आदर्श एव लाभकारी परिणाम मिल सके। आस पास के किसानों तथा सरकारी कार्यक्रमों के लिये संस्थान का प्रयास प्रेरणादायी बन सके। इसी निर्णय के साथ ग्राम सोल्दा में खेत तालाब एवंम बन्धी निर्माण का कार्य किया गया।

ग्राम– सोल्दा खेत तालाब निर्माण एवं मेडबन्धी कार्य विवरण

क्र•	नम	पिता का नाम	रकबा एकड
1	श्री जगत	श्री रामसरूप	2
2	श्री शगुन	श्री खिलान	3
3	श्री रतीराम	श्री रामदीन	6
4	श्री लखन सिंह	श्री मिहिलाल	4
5	श्री राजेश	श्री रतीराम	3
6	श्री शोभाराम	श्री रामप्रसाद	3
7	श्री कल्लू	श्री रामसरूप	2
8	श्री बलराम	श्री सूरज	2
9	श्री रामचरन	श्री सूरज	2
10	श्री ज्ञानी	श्री बाबू	2
11	श्री अजुददी	श्री खिलान	3
12	श्रीमति बती	श्री प्यारेलाल	4
13	श्री इमरत	श्री शिवदयाल	4
14	श्री नन्हेभाई	श्री घासी	3
15	श्री सन्तु	श्री रामप्रसाद	2
16	श्री पुष्पेन्द्र	श्री रामचरन	3
		कुल	48

ग्राम– सोल्दा में मेडबन्धी कार्य का विवरण

क्र•	नाम	पिता का नाम	खेत का रकबा(एकड में)
1	श्री सुकन	श्री रतीराम	4
2	श्री कूरे	श्री दमरू	2
3	श्री श्यामलाल	श्री मोहन	4
4	श्री कल्लू	श्री रामसरूप	2
5	श्री साहब	श्री रामसरूप	2
6	श्री राजू	श्री अशोक	2
7	श्री सुखलाल	श्री मुन्नी	3
8	श्री पुष्पेन्द्र	श्री रामचरन	3
	कुल		22

ग्राम सोल्दा मे खेतो की सिचाईं के लिए पानी का बहुत संकट है। पूरी खेती वर्षा के जल पर निर्भर है संस्थान द्वारा गरीब आदिवासी छोटे किसानों की सिचाई के लिए गतवर्ष खेत तालाब एवं मेडबन्धी का कार्य किया गया था। इस वर्ष भी खेत तालाब एवं मेंडबन्धी का कार्य किया गया है जिससे इस वर्ष पहली बरसात का पानी खेत तालाब में भर गया तथा पूरे खेत में पानी रूक गया जिससे खेत में अच्छी नमी रही गांव के किसानों ने पहली बार इस वर्ष खरीफ फसल में उर्द और तिल एक खेत में दो फसलों की बुवाई की है। जिसका विवरण निम्नवत है–

क्र•	नाम	पिता का नाम	तिल का रकबा(एकड में)	उर्द का रकबा
1	श्री गनेश	श्री कुन्जी	3	1
2	श्री धनीराम	श्री हल्लू	2	2
3	श्री अपरवल	श्री बन्शी	1	3
4	श्री पिरवा	श्री मुल्ले	2	2
5	श्री मोहन	श्री मुल्ले	1	3
6	श्री बलू	श्री रमली	1	3
7	श्री रतीराम	श्री रामदीन	1	4
8	श्री नन्दलाल	श्री मुन्ना	1	3
9	श्री मन्नू	श्री गुडडे	1	3
10	श्री सुखलाल	श्री मुन्नी	1	3
11	श्री मीरा	श्री प्रति	1	3
12	श्री बन्दू	श्री रतन	2	7
13	श्री हल्काई	श्री मोहन	1	3
14	श्री तुलसी	श्री मोहन	—	3

15	श्री चरन	श्री फुल्ले	3	1
16	श्री नेहर	श्री चरन	—	3
17	श्री जानकी	श्री हल्लू	—	3
18	श्री धूमन	श्री कुन्जी	—	2
19	श्री श्यामलाल	श्री मोहन	1	3
20	श्री चन्दन	श्री अपरवल	1	3
21	श्री रामप्रसाद	श्री अजुददी	—	2
22	श्री रामचरन	श्री सूरज	—	3
23	श्री शोभाराम	श्री रामप्रसाद	—	5
24	श्री बलराम	श्री सूरज	—	2
25	श्री सगुन	श्री खिलान		2
26	श्री राजवीर	श्री खिलान		2
27	श्री रजुआ	श्री बलुआ		2
28	श्री तुलसी	श्री गुन्दा		3
29	श्री सुम्मेर	श्री प्यारेलाल		4
30	श्री राजू	श्री अशोक		3
31	श्री शिवचरन	श्री भागीरथ		2
32	श्री जगत	श्री रामसरूप		2
33	श्री शगुन	श्री खिलान		3
34	श्री रतीराम	श्री रामदीन		6
35	श्री लखन सिंह	श्री मिहिलाल		4
36	श्री राजेश	श्री रतीराम		3
37	श्री शोभाराम	श्री रामप्रसाद		3
38	श्री कल्लू	श्री रामसरूप		2
39	श्री बलराम	श्री सूरज		2
40	श्री रामचरन	श्री सूरज		2
41	श्री ज्ञानी	श्री बाबू		2
42	श्री अजुददी	श्री खिलान		3
43	श्रीमति बती	श्री प्यारेलाल		4
44	श्री इमरत	श्री शिवदयाल		4
45	श्री नन्हेभाई	श्री घासी		3
46	श्री सन्तु	श्री रामप्रसाद		2
47	श्री पुष्पेन्द्र	श्री रामचरन		3

ग्राम सोरई में मचान बनाकर सब्जी उत्पादन करने वाले किसानों का विवरण –

क्र0	नाम	पिता का नाम	एरिया
1	प्रभान	मल्थे	10×10
2	खुशी	मल्थे	10×10
3	हीरालाल	खरगे	10×10
4	हीरालाल	हरपे	10×10
5	श्रीराम	मोहन	10×10
6	मुकुन्दी	धनु	10×10
7	ऊदल	सरू	10×15
8	धन्नू	आलम	10×20
9	दरियाव	तेजसिंह	10×20
10	रामदयाल	पूरन	10×10
11	बाले	जुगल	10×20
12	हीरालाल	गोरेलाल	10×10
13	तुलसीसहरिया	रामप्रसाद	10×10
14	लखनसहरिया	रामलाल	10×10
15	श्रीमति शांति	मुलू	10×10
16	श्रीमति हल्ली	गोरेलाल	10×10
17	श्रीमति माया	अमरे	10×10
18	रम्मू	बलकिशन	10×10
19	घनश्याम	तेजसिंह	10×10
20	श्रीमति रातरानी	पर्वत सहरिया	5×5
21	श्रीराम	मोहन	5×5
22	श्री गोपी	हल्लू	5×5
23	जालम	नन्दलाल	5×5
24	कन्हई	लटकन	10×10

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर
बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर
बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर

बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर
बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान मडावरा ललितपुर

श्रीमती सूरतबाई पत्नि धन्नू, ग्राम– सौरई, ब्लाक– मडावरा

दरयाव के मचान में लौकी

श्री दरयाव, ग्राम– सौरई

ग्राम– सौरई– श्री धन्नू के खेत में शकरकन्द की फसल

बैंगन नर्सरी

ग्राम सौरई श्री घनश्याम के खेत में लौकी

उद्यानीकरण एवं सब्जी उत्पादन गोष्ठी का आयोजन

- स्थान – ग्राम सौंरईं में ग्रामीणों को दिये गये फलदार पौधे

दिनांक 26 अगस्त 2015

ललितपुर जनपद के मडावरा तहसील अर्न्तगत ग्राम सौंरई में बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान द्वारा उद्यानीकरण एवं सब्जी उत्पादन विषयक एवं आजीविकास विकास गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उद्यान अधिकारी सुघर सिंह रहे।

गोष्ठी में संबोंधित करते हुए जिला उद्यान अधिकारी सुघर सिंह ने कहा कि घर आंगन में फलदार वृक्ष लगाकर उत्तम स्वास्थ्य लाभ की परिकल्पना साकार की जा सकती है। देशी खाद का प्रयोग कर शुद्वतायुक्त फलों का सेवन मानव जीवन को निरोगी काया प्रदान करता है।

गोष्ठी में जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि सुघर सिंह ने कहा कि पुरातन समय से आप सभी सब्जी उत्पादन सहित कृषि आधारित खेती करते चले आ रहे हैं। आज जरूरत है कृषि एवं सब्जी उत्पादन को वैज्ञानिक तरीके से करन की। कहा कि यदि वैज्ञानिक तरीके से इन कामों को करेंगें तो कम लागत में ज्यादा लाभ कमाया जा सकता है। उन्होंनें कहा कि बागवानी निःशुल्क करायी जायेगी। विभाग से फार्म लेकर भरें, विभाग पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने जिला उद्योगिक विकास योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, माईग्रेसन योजना आदि की विस्तृत जानकारी किसानों को दी।

जिला उद्यान अधिकारी श्री सिंह ने बुन्देलखण्ड विकास विशेष पैकेज अन्तर्गत गार्डन न्यूट्रीशन तैयार करने हेतु ग्रामीणों को निःशुल्क पौधे वितरित किये। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को तीन पौधे पपीते के, एक अनार का, एक अमरूद का, एक सहजन का, एक शरीफा का, एक नींबू सहित लगभग चार सौं ग्रामीणों को आठ–आठ फलदार पौधे वितरित किये। इस दौरान बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान कार्यकर्त्ता संदीप झां एवं विवेक सिंह मचान विधि से सब्जी उत्पादन करने पर बल दिया। बताया कि सौंरईं गांव में लगभग 24 किसान मचान विधि से सब्जी उत्पादन का काम कर रहे हैं। उन्हें सब्जी उत्पादन में अच्छा लाभ भी मिल रहा है। इन किसानों को देखकर कई और भी किसान मचान विधि से सब्जी उत्पादन के लिए आगे आ रहे हैं जिन्हें आगे बढाने का काम किया जा रहा है।

गोष्ठी में जिला उद्यान अधिकारी सुघर सिंह, सहायक उद्यान निरीक्षक शिवकुमार तिवारी, बुन्देखण्ड सेवा संस्थान कार्यकर्त्ता संदीप झां, विवेक सिंह, मानसिंह, पुरूषोत्तम, ऊदल, जानकी, राजकुमारी, सुधीर, वंशी आदि सहित सैकडों की संख्या में महिला–पुरूष किसान उपस्थित रहे।

ग्राम– पिसनारी में बकरी पालन करने वाले परिवारों का विवरण –

क्र.सं.	नाम	पिता/पति का नाम	जाति	नग संख्या	
				बकरी	बकरा
1.	भल्लन	नत्थू	सहरिया	13	7
2.	रामलाल	हरदास	सहरिया	1	1
3.	रामदीन	सूरज	सहरिया	9	5
4.	कल्लूबाई	रूप्पी	सहरिया	1	2
5.	अर्जुन	साडू	सहरिया	27	13
6.	जवाहर	बन्दू	सहरिया	11	5
7.	जुगल	ललजू	सहरिया	5	1
8.	लच्छू	ललजू	सहरिया	7	4
9.	भरण	परम	सहरिया	16	4
10.	सुनीता	राजभान	सहरिया	3	4
11.	गेंदाबाई	हल्के	सहरिया	6	4
12.	हल्कीबहू	घनश्याम		2	0
13.	मंझलीबहू	हल्काईं	सहरिया	4	2
14.	खरजू	प्रेम	सहरिया	6	2
15.	कमलरानी	हल्दू	सहरिया	8	2
16.	किशोरे	भूरे	सहरिया	8	2
17.	मिहीलाल	गुल्ले	सहरिया	7	2
18.	गुल्थे	रम्पे	सहरिया	1	1
19.	लीला	हरपे	सहरिया	4	1
20.	लक्ष्मण	गुल्ले	सहरिया	3	1
21.	रतीराम	गुल्ले	सहरिया	2	1
22.	हजुवा	श्यामलाल	सहरिया	1	0
23.	बब्बू	हल्ली	सहरिया	12	2
24.	संजलीबहू	ज्ञानी	सहरिया	2	0
25.	कोमा	दरबारी	सहरिया	9	1
26.	कमला	लछुआ	अहिरवार	15	0
27.	छक्के	लछुआ	अहिरवार	5	0
28.	अनिल	भरोसेलाल	अहिरवार	4	0
29.	कुन्ता	ठलू	अहिरवार	33	2
30.	पप्पू	ठलू	अहिरवार	2	0
31.	घूमन	ठलू	अहिरवार	4	1
31.	परशू	रल्ले	अहिरवार	3	1
32.	हज्जू	ठलू	अहिरवार	2	0
33.	इन्द्रपाल सिंह	नन्नू सिंह	ठाकुर	2	0

पशु सखी– कोमा पत्नी दरबारी सहरिया, ग्राम– पिसनारी

ग्राम–सोरईं में बकरी पालन करने वाले परिवारों का विवरण –

पशु सखी– हल्ली देवी पत्नी गोरेलाल, जाति– अहिरवार, ग्राम– सौंरईं

क्र0	नाम	पिता / पति	जाति	बकरी	बकरा	कुल संख्या
1	श्रीमति ममता	श्री ज्ञानी	बुनकर	05	–	05
2	श्रीमति पप्पी	श्री रतन	बुनकर	02	–	02
3	श्री इमरत	श्री भरोसे	बुनकर	05	–	05
4	श्रीमति मन्टू	श्री हरीराम	धानक	01	–	01
5	श्रीमति सुगर	स्व0 गोकुल	धानक	02	–	02
6	श्रीमति सुखवती	श्री देवन	धानक	01	–	01
7	श्रीमति बती	श्री बीरन	धानक	04	–	04
8	श्री बलू	श्री मनु	कुशवाहा	10	02	12
9	श्री गनेश	श्री चऊदे	कुशवाहा	13	02	15
10	श्री तुलसी	श्री हरपे	रजक	13	02	15
11	श्री भूपत	श्री हरपे	रजक	13	02	15
12	श्री सन्तोष	श्री हरपे	रजक	13	02	15
13	श्री सुखदयाल	श्री हरि सिंह	पाल	20	05	25
14	श्री हरिराम	श्री भागीरथ	पाल	07	02	09
15	श्री बब्लू	श्री जमने	पाल	08	02	10
16	श्री संनील	श्री घन्शू	पाल	16	04	20
17	श्री किशोरे	श्री आशाराम	पाल	36	05	41
18	श्री बीरन	श्री भगोने	पाल	19	01	20
19	श्री हनमत	श्री गनु	पाल	02	–	02
20	श्री सन्तोष	श्री बल्लू	पाल	05	–	05
21	श्री मोहन	श्री पूरन	पाल	05	–	05
22	श्री कैलाश	श्री बालचन्द	पाल	04	–	04
23	श्री हिम्मत	श्री बन्दू	पाल	20	05	25
24	श्री श्याम	श्री बन्दू	पाल	08	02	10
25	श्री चतरे	श्री हजारी	पाल	08	02	10
26	श्री धनीराम	श्री सुखदयाल	पाल	08	02	10
27	श्री अम्मू	श्री फुन्दे	पाल	05	01	06
28	श्री रतन	श्री फुन्दे	पाल	02	03	05
29	श्री हल्कन	श्री भिम्मे	पाल	08	02	10
30	श्री हल्काई	श्री गजाधर	पाल	04	01	11
31	श्री रामपाल	श्री जोधन	पाल	35	05	40
32	श्री कन्हई	श्री गजराज	पाल	18	02	20
33	श्री हल्कू	श्री रमले	रजक	01	–	01
34	श्री हरीराम	श्री शिवलाल	अहिरवार	03	01	04
35	श्रीमति मीरा	श्री सुदेश	रैकवार	06	–	06
36	श्री नत्थू	श्री सुदामा	सहरिया	01	–	01
37	श्रीमति रम्मू	श्री बालकिशन	सहरिया	03	01	04
38	श्रीमति सोनू	श्री रामचरन	सहरिया	06	01	07
39	श्रीमति मुन्नी	श्री जगदीश	सहरिया	09	01	10
40	श्रीमति श्रीबाई	श्री लखन	सहरिया	13	02	15
41	श्रीमति सुन्दर	श्री जालम	सहरिया	02	01	03
42	श्री पानबाई	स्व0 रघुबर	सहरिया	06	02	08
43	श्रीमति जयन्ति	श्री इमरत	चढार	05	–	05
44	श्री पप्पू	श्री बलदेव	पाल	08	–	08
45	श्री मुन्नी	श्री देवसिंह	पाल	08	01	09
46	श्री दौलत	श्री देवसिंह	पाल	04	01	05
47	श्री नत्थू	श्री सुदामा	सहरिया	01	–	01

डिजिटल इम्पावरमेन्ट फाण्डेशन के सहयोग से संचालित डिजिटल सामुदायिक सूचना संसाधन केन्द्र मडावरा में कम्प्यूटर साक्षरता के चल रहे कार्यक्रम में अबतक 1000 हजार लाभार्थियों कों साक्षर किया जा चुका है। जिसमें बच्चें महिला पुरूष अध्यापक आंगनवाडी कार्यकर्ता आदि लोगो को साक्षर किया जा रहा है। स्कूलो में जाकर बच्चों कों कम्प्यूटर के बुनियादी भागों की जानकारी देना कम्प्यूटर के उपयोग के बारे में बताना कम्प्यूटर से होने वाले लाभ एवं कम्प्यूटर के द्वारा हम सरकार की योजनाओं के बारे में पता लगा सकते है।

केस स्टडी ऊदल(मेरी कहानी मेरी जुबानी)

मेरा नाम ऊदल है। मै सोरईं गांव ब्लाक मडावरा ललितपुर का रहने वाला हूँ। कभी सूखा कभी अधिक बरसात की वजह से कभी ओले पत्थर गिरजाने के कारण उर्द, सोयाबीन, गेहूँ, चना आदि की फसल बरबाद हो जाती है जिसके कारण गरीबी हमकों भुखमरी में जीने को मजबूर करती है। पिछले साल से बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी मीटिंग बैठक आदि के द्वारा कम पानी की फसल बोने तथा अधिक पानी की फसलों की जानकारी मिली साथ ही कम लागत से सब्जी उत्पादन करने की विधियाँ विशेष रूपसे मचान पद्धति से सब्जी उत्पादन करने का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। जिससे इस वर्ष अपने खेत में उर्द के साथ मूँग, तिल मक्का,सॉवा, धान की फसल बोई है। मचान विधि से लौकी सेम करेला तुरई बोई है। पपीता बोया है। जमीन के नीचे मूँगफली, हल्दी, घुईयाँ, बोई है। मिर्च टमाटर बैंगन मचान के नीचे लगाने की तैयारी है। कई प्रकार की फसल व सब्जी करने से इस वर्ष लगता है कि मेहनत का फल मिलेगा लाभ होगा। सिंचाई में डीजल की मंहगाई से नुकशान होता है। आमदनी कम हो जाती है। अगर सोलर पम्प मिल जाये तो सौ प्रतिशत फायदा होगा। मेरे कुआँ में सभी मौसम में पानी रहता है। अब मै अपने खेत में ही घर बनाकर रह रहा हूँ। गाँव मे प्रत्येक सोमवार को बाजार लगता है। सब्जी बिक जाती है। बची हुई सब्जी अगले दिन मडावरा में बेचते है मडावरा(ब्लाक मुख्यालय) कस्बे में प्रतिदिन बाजार लगती है। शुक्रवार के दिन बाजार बढ जाता है। क्योकि इसदिन सप्ताहिक बाजार लगता है। आस पास के 40–50 गॉव के लोग खरीद करने आते है। मैने खेत के ऊपरी हिस्से की जमीन पर अमरूद के पेड लगाये है। इस वर्ष बुन्देलखण्ड सेवा संस्थान से मचान बनाने व सब्जी बीज का सहयोग मिला है तथा संस्थान के सहयोग से उद्यान विभाग से भी मुनगा, पपीता, शरीफा, अमरूद, नीबू के पेड प्राप्त हुये है। अब समझ में आया है कि सब्जी उत्पादन फायदे की खेती हो सकती है प्रत्येक मौसम में सब्जी उगाई जा सकती है और मुझे साल भर अपने खेत में आजीविका के लिये रोजगार मिल सकता है। इसलिये अब बहुफसली खेती करेगें जिससे लाभ होगा।